



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्रतिधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 11]  
No. 11]

नई दिल्ली, मंगलवार, जनवरी 10, 1984/पौष 20, 1905  
NEW DELHI, TUESDAY, JANUARY 10, 1984/PAUSA 20, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि वह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

वित्त मंत्रालय  
(राजस्व विभाग)

अधिसूचना  
(सं० 6/84-सीमा-शुल्क)

नई दिल्ली, 10 जनवरी, 1984

सां० का० नि० 14 (अ):—केन्द्रीय सरकार सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक है, 1000 घन सें०मी० से अधिक इंजन क्षमता वाली ईंधन-दक्ष मोटर कारों के संघटकों को,—

(क) सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के अधीन उन पर उद्-ग्रहणीय उतने सीमा शुल्क से जितना मूल्यानुसार 35 प्रतिशत की दर पर संगणित रकम से अधिक है; और

(ख) उक्त सीमा-शुल्क टैरिफ, अधिनियम की धारा 3 के अधीन उन पर उद्ग्रहणीय समस्त अतिरिक्त शुल्क से,

निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए छूट देती है, अर्थात्:—

- (1) यह कि उक्त संघटकों का 1000 घन सें०मी० से अधिक इंजन क्षमता वाली ईंधन-दक्ष मोटर कार के विनिर्माता द्वारा आयात किया जाता है; और
- (2) यह कि तकनीकी विकास महानिदेशालय के औद्योगिक सलाहकार या अपर औद्योगिक सलाहकार से अनिम्न पंक्ति के अधिकारी और उद्योग मंत्रालय (भारी उद्योग विभाग) के संपुक्क मन्त्रि से अनिम्न पंक्ति के अधिकारी का प्रत्येक मामले में यह समाधान हो जाता है और वे यह प्रमाणित करते हैं कि संघटकों का 1000 घन सें०मी० से अधिक इंजन क्षमता वाली ईंधन दक्ष मोटर कारों के उक्त विनिर्माता द्वारा आने या आने की वारंटी व्याप्ति या विक्रय पञ्चावर्ती सेवा (वाहे मुफ्त या मूल्य पर) देने के प्रयोग के लिए आयात किया गया है।

स्पष्टीकरण:—इस अधिसूचना के प्रयोगों के लिए, 1000 घन सेंटीमीटर से अधिक इंजन क्षमता वाली किसी मोटर कार की वास्तव "ईंधन-दक्ष मोटर कार" से किसी मोटर कार

अभिप्रेत है जो अहमदनगर (महाराष्ट्र) में स्थित रक्षा मंत्रालय के यान अनुसंधान विकास स्थापन या पुणे (महाराष्ट्र) स्थित भारतीय स्वचालित यंत्र अनुसंधान संगम द्वारा किए गए परीक्षणों के आधार पर (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् ईंधन-दक्षता परीक्षण कहा गया है) उद्योग मंत्रालय (भारी उद्योग विभाग) के संयुक्त सचिव से अनिम्न पंक्ति के अधिकारी द्वारा निम्नलिखित को ध्यान में रखते हुए यह प्रमाणित किया जाता है कि ऐसी मोटरकार प्रति लीटर पेट्रोल में कम से कम 20 किलोमीटर चलेगी, अर्थात्:—

- (क) ईंधन-दक्षता परीक्षण 300 किलोमीटर भारयोग में किया जाएगा,
- (ख) ईंधन-दक्षता परीक्षण ऐसे पेट्रोल का प्रयोग कर के किया जाएगा जिसका आक्टोन लेबल 87 से अधिक नहीं है, और
- (ग) ईंधन-दक्षता परीक्षण किसी विशिष्ट लेबल परीक्षण पथ पर कम से कम एक किलोमीटर दूरी तक 50 किलोमीटर प्रति घंटे की अपरिवर्ती गति से किया जाएगा और परीक्षण करने के लिए औसतन 20 चक्कर लगाए जाएंगे जिनमें से 10 चक्कर प्रत्येक दिशा में होंगे और परीक्षण अंक समुद्र तल के ऊंचाई और +25° से० परिवेश ताप के आधार पर संशोधित किए जाएंगे।

2. यह अधिसूचना जनवरी, 1989 के 9 वें दिन तक जिसमें वह दिन भी सम्मिलित है प्रवृत्त रहेगी।

[का० सं० 346/33/83-टीआरयू]

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

### NOTIFICATION

(No. 6/84-CUSTOMS)

New Delhi, the 10th January, 1984

**G.S.R. 14(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do so, hereby exempts components of fuel-efficient motor car of engine capacity not exceeding 1000 cubic centimetres, from:—

- (a) so much of the duty of customs which is leviable thereon under the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), as is in excess of the amount calculated at the rate of 25 per cent *ad valorem*; and
- (b) the whole of the additional duty leviable thereon under section 3 of the said Customs Tariff Act, subject to the following conditions, namely:—
- (i) that the said components are imported by a manufacturer of fuel-efficient motor car

of engine capacity not exceeding 1000 cubic centimetres; and;

- (ii) that an officer not below the rank of an Industrial Adviser or Additional Industrial Adviser in the Directorate General of Technical Development and an officer not below the rank of a Joint Secretary in the Ministry of Industry (Department of Heavy Industry) are satisfied and certify in each case that the components are imported for the purpose of providing warranty coverage for after sales service (whether free of cost or at a price) by the said manufacturer of fuel-efficient cars of engine capacity not exceeding 1000 cubic centimetres to their customers.

**Explanation.**—For the purposes of this notification, “fuel-efficient motor car” in respect of a motor car of engine capacity not exceeding 1000 cubic centimetres means a motor car which is certified to run not less than 20 kilometres per litre of petrol by an officer not below the rank of a Joint Secretary in the Ministry of Industry (Department of Heavy Industry) on the basis of the tests (hereinafter referred to as the fuel-efficiency test) carried out by the Vehicle Research Development Establishment of the Ministry of Defence, Ahmednagar (Maharashtra) or the Automotive Research Association of India, Pune (Maharashtra), having regard to the following, namely:—

- (a) the fuel-efficiency test shall be conducted with a pay load of 300 kilograms;
- (b) the fuel-efficiency test shall be conducted using petrol having an octane level not exceeding 87; and
- (c) the fuel-efficiency test shall be carried out on a selected level test track at a steady speed of 50 kilometres per hour for a minimum stretch of one kilometre and the average of 20 runs, comprising of 10 runs in each direction, shall be taken for carrying out the tests and the test figures shall be corrected to sea level altitude and to +25°C ambient temperature.

2. This notification shall be in force upto and inclusive of the 9th day of January, 1989.

[F. No. 346/33/83-TRU]

### अधिसूचना

(सं० 7/84-सीमा शुल्क)

सा० का० नि० 15 (अ):—केन्द्रीय सरकार वित्त अधिनियम, 1983 (1983 का 2) की धारा 35 की उपधारा (4) के साथ पठित, सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक है, 1000 घन से० मी० से अधिक इंजन क्षमता वाली ईंधन-दक्ष मोटर कार के संघटकों को, उक्त वित्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन उन पर उद्ग्रहणीय उतने सहायक सीमा शुल्क से जितना प्रथम वर्णित अधिनियम की धारा 14 के

उपबंधों के अनुसार यथा-अवधारित ऐसे संघटकों के मूल्य के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए इसके द्वारा छूट देनी है, अर्थात्:—

- (1) यह कि उक्त संघटकों का 1000 घन सें० मी० से अधिक इंजन क्षमता वाली ईंधन-दक्ष मोटर कार के विनिर्माता द्वारा आयात किया जाता है; और
- (2) यह कि तकनीकी विकास मंत्रालय के या अहमदनगर (महाराष्ट्र) में स्थित रक्षा मंत्रालय के या अनुसंधान विकास स्थापनों या पुणे (महाराष्ट्र) स्थित भारतीय स्वचालित यंत्र अनुसंधान संगम द्वारा किए गए परीक्षणों के आधार पर, (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् इंजन क्षमता परीक्षण कहा गया है) उद्योग मंत्रालय (भारी उद्योग विभाग) के संयुक्त सचिव से अनिम्न पंक्ति के अधिकारी द्वारा निम्नलिखित को ध्यान में रखते हुए यह प्रमाणित किया जाता है कि ऐसी मोटर कार प्रति लीटर पेट्रोल में कम से कम 20 किलोमीटर चलेगी, अर्थात्:—

स्पष्टीकरण:—इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए, 1000 घन सें० मी० से अधिक इंजन क्षमता वाली किसी मोटर कार की वास्तव "ईंधन-दक्ष मोटर कार" से ऐसी मोटर कार अभिप्रेत है जो अहमदनगर (महाराष्ट्र) में स्थित रक्षा मंत्रालय के या अनुसंधान विकास स्थापनों या पुणे (महाराष्ट्र) स्थित भारतीय स्वचालित यंत्र अनुसंधान संगम द्वारा किए गए परीक्षणों के आधार पर, (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् इंजन क्षमता परीक्षण कहा गया है) उद्योग मंत्रालय (भारी उद्योग विभाग) के संयुक्त सचिव से अनिम्न पंक्ति के अधिकारी द्वारा निम्नलिखित को ध्यान में रखते हुए यह प्रमाणित किया जाता है कि ऐसी मोटर कार प्रति लीटर पेट्रोल में कम से कम 20 किलोमीटर चलेगी, अर्थात्:—

- (क) ईंधन-क्षमता परीक्षण 300 किलोग्राम भार योग से किया जाएगा।
- (ख) ईंधन-क्षमता परीक्षण ऐसे पेट्रोल का प्रयोग करके किया जाएगा जिसका आक्टोन लेबिल 870 से अधिक नहीं है; और
- (ग) ईंधन-क्षमता परीक्षण किसी विजिण्ड लेबिल परीक्षण पथ पर कम से कम एक किलोमीटर दूरी तक 50 किलोमीटर प्रति घंटे की अवशिष्ट गति से किया जाएगा और परीक्षण करने के लिए औसतन 20 चक्कर लगाए जाएंगे जिनमें से 10 चक्कर प्रत्येक दिशा में होंगे और परीक्षण अंक समुद्र तल की ऊंचाई और  $+25^{\circ}$  से० परिवेष्ट ताप के आधार पर संशोधित किए जाएंगे।

[क्र० सं० 346/33/83-टीआरयू]

के० एस० वेंकटगिरि, अवर सचिव

## NOTIFICATION

(No. 7/84-CUSTOMS)

G.S.R. 15(E).—In exercise of the powers, conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-section (4) of the section 45 of the Finance Act, 1983 (11 of 1983), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so do hereby exempts components of fuel-efficient motor cars of engine capacity not exceeding 1000 cubic centimetres, from so much of the auxiliary duty of customs leviable thereon under sub-section (1) of section 45 of the said Finance Act, as is in excess of fifteen per cent. of the value of such components, as determined in accordance with the provisions of section 14 of the first mentioned Act, subject to the following conditions, namely:—

- (i) that the said components are imported by a manufacturer of fuel-efficient motor car of engine capacity not exceeding 1000 cubic centimetres; and
- (ii) that an officer not below the rank of an Industrial Adviser or Additional Industrial Adviser in the Directorate General of Technical Development and an officer not below the rank of a Joint Secretary in the Ministry of Industry (Department of Heavy Industry) are satisfied and certify in each case that the components are imported for the purpose of providing warranty coverage or after sales service (whether free of cost or at price) by the said manufacturer of fuel-efficient cars of engine capacity not exceeding 1000 cubic centimetres to their customers.

Explanation.—For the purposes of this notification, "fuel-efficient motor car" in respect of a motor car of engine capacity not exceeding 1000 cubic centimetres means a motor car which is certified to run not less than 20 kilometres per litre of petrol by an officer not below the rank of a Joint Secretary in the Ministry of Industry (Department of Heavy Industry) on the basis of the tests (hereinafter referred to as the fuel-efficiency test) carried out by the Vehicle Research Development Establishment of the Ministry of Defence, Ahmednager (Maharashtra) or the Automotive Research Association of India, Pune (Maharashtra), having regard to the following, namely:—

- (a) the fuel-efficiency test shall be conducted with a pay load of 300 kilometres;
- (b) the fuel-efficiency test shall be conducted using petrol having an octane level not exceeding 870; and
- (c) the fuel-efficiency test shall be carried out on a selected level test track at a steady speed of 50 kilometre per hour for a mini-

mum stretch of one kilometre and the average of 20 runs, comprising of 10 runs in each direction, shall be taken for carrying out the tests and the test figures shall be corrected to sea level altitude and to +25°C ambient temperature.

[F. No. 346/33/83-TRU]  
K.S.VENKATAGIRI, Under Secy.